तापमान
अधिकतम 23 .6 डिग्री
न्यूनतम 3 .7 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

11 बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में खेल महोत्सव

12 छात्राओं ने आईएचटीएम का शैक्षणिक भ्रमण किया

शहर में आज

- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर

खबर संक्षेप

एमए, एमएससी, एमकॉम की परीक्षाएं 9 दिसंबर से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की एमए, एमएससी, एमकॉम, एम.वोक, एमपीएड ओल्ड स्कीम तथा एनईपी स्कीम पंचवर्षीय समेकित पाठ्यक्रमों की फुल व री-अपीयर की परीक्षाएं 9 दिसंबर से प्रारंभ होंगी।परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि यूजी बी.टेक सातवें सेमेस्टर जी स्कीम रेगुलर व री-अपीयर तथा आठवें सेमेस्टर की री-अपीयर की परीक्षाएं 13 दिसंबर से, यूजी इंजीनियरिंग बीटेक तीसरे, पांचवें सेमेस्टर जी स्कीम की रेगुलर व री-अपीयर, बी.आर्क तीसरे, पांचवें व सातवें सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षाएं 16 दिसंबर से तथा पीजी इंजीनियरिंग एमटेक, एम प्लानिंग के प्रथम व तीसरे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर तथा चौथे सेमेस्टर की केवल री-अपीयर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से प्रारंभ होंगी। इन परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

अग्निवीरों की भर्ती रैली 10 दिसंबर से

रोहतक। सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक अनुराग सिंह ने बताया कि अग्निवीर श्रेणियों के लिए 10 से 15 दिसंबर तक राजीव गांधी खेल स्टेडियम में सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इन ट्रेड के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार दूसरे चरण के लिए भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करें। सिंह ने कहा कि सेना भर्ती रैली में अग्निवीर जनरल डयूटी, अग्निवीर तकनीक, अग्निवीर कार्यालय सहायक व स्टोर कीपर तकनीक, अग्निवीर ट्रेड्समैन दसवीं पास व आठवीं पास के पदों पर भर्ती की जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि सेना में भर्ती प्रक्रिया पूर्णतय निष्पक्ष, पारदर्शी तथा योग्यता के आधार पर की जाती है। उम्मीदवार दलालों से सावधान रहे।

बॉडी बिल्डर रोहित की मां बोलीं -वह ही मेरा सब कुछ था, मेरा बेटा, मेरी उम्मीद, मेरा सहारा, जिस तरह बेरहमी से उसे मारा गया, उसी तरह उसके हत्यारों को भी सजा मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव हमायूपुर में अपने इकलौते बेटे को खो चुकी मां सरोज का दर्द शब्दों में बयां नहीं होता। आंखों में आंसू लिए सरोज बार-बार यही कहती हैं कि रोहित ही मेरा सब कुछ था, मेरा बेटा, मेरी उम्मीद, मेरा सहारा। जिस तरह बेरहमी से उसे मारा गया, उसी तरह उसके हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मुझे सिर्फ और सिर्फ न्याय चाहिए।

रोहित दोस्त के साथ शादी में भिवानी गया था, कहासुनी के बाद युवकों ने मार डाला

बता दें कि 28 नवंबर को रोहित धनखड़ अपने दोस्त जतिन, जो गांव बौंदकला का रहने वाला है, के साथ भिवानी गया था। वहां जतिन की बहन की ननंद की शादी में दोनों शगुन डालने पहुंचे थे। शादी समारोह में तिगड़ाना गांव की बारात आई हुई थी। इसी दौरान कुछ युवकों के साथ कहासुनी हो गई। माहौल भले ही शांत हो गया हो, पर जाते वक्त वही युवक रोहित और जतिन के रास्ते में आ गए और बात बढ़ती चली गई। आरोप है कि उन युवकों ने रोहित को घेर लिया और बुरी तरह पीटकर अधमरा कर दिया। गंभीर हालत में रोहित को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया और फिर पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान रोहित की मौत हो गई।

■ सरोज देवी बोलीं- मुझे सिर्फ और सिर्फ न्याय चाहिए

रात 10.50 बजे हुई थी आखिरी बार बातचीत

रोहित की मां सरोज बताती हैं कि मैंने 28 नवंबर की रात 9 बजे रोहित को फोन किया और पूछा कि कब आएगा। उसने कहा कि मां खाना मत बनाना, मैं जतिन के साथ कन्यादान डालने जा रहा हूं। रात 10 बजकर 50 मिनट पर जब सरोज ने दोबारा फोन किया, तो रोहित ने बताया कि वह वहीं खाना खाकर आएगा। इसके बाद रोहित से कोई बात नहीं हुई।

मां का दर्द : तुरंत पीजीआई ले आते तो बच जाती जान

सरोज कहती हैं कि सुबह जब बहन ने फोन करके बताया कि रोहित पर हमला हुआ है और उसकी हालत बहुत खराब है, तो पैरों तले जमीन खिसक गई। इससे पहले सूचना दामाद को मिल चुकी थी, जो रात में ही भिवानी पहुंच गया था। दामाद ने रोहित को भिवानी से रोहतक लाकर अस्पताल में भर्ती करवाया और फिर तुरंत पीजीआई ले जाया गया, लेकिन रोहित की जान नहीं बच सकी। दर्द से टूट चुकी सरोज कहती हैं कि अभी तक पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कदम नहीं उठाया गया है। ना किसी ने आश्वासन दिया, ना किसी कार्रवाई की जानकारी दी गई। मैं सिर्फ बदला चाहती हूं। मेरे बेटे की तरह उन लोगों को भी सजा मिले, उन्हें भी उसी तरह मारा जाए। पुलिस ने अब तक किसी को गिरफ्तार तक नहीं किया है। सरोज कहती हैं कि धनखड़ खाप ने न्याय दिलाने का भरोसा दिया है, लेकिन पुलिस की ओर से अभी कोई प्रगति नहीं मिली। उनके अनुसार घटना में 20–22 युवक शामिल थे, पर किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई।

बुढ़ापे का सहारा चला गया

सरोज बोली कि रोहित ही उनका पूरा आधार था। मैंने सिलाई-कढ़ाई करके अपने बेटे को आगे बढ़ाया। मेरी बेटी भी भाई को खो चुकी है। मेरे पति भी नहीं हैं। रोहित ही घर का एकमात्र सहारा था। अब मेरा कौन है, मुझे न्याय चाहिए, ताकि ऐसी घटना किसी और मां के साथ न हो।

जतिन को बचाने गया था

रोहित के चाचा कप्तान धनखड़ बताते हैं कि फाटक के पास दोनों युवक गाड़ी से उतरे और भागकर निकलने लगे थे। जतिन तो बचकर निकल गया, लेकिन रोहित को लगा कि उसका दोस्त पकड़ा गया है। जतिन को देखने वापस मुड़ते ही आरोपियों ने रोहित को पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। अगर रोहित वापस न मुड़ता, तो वह भी खेतों की ओर भागकर जान बचा लेता, पर किस्मत को यही मंजूर था। परिवार और गांव का एक ही सवाल, कब मिलेगा न्याय गांव में शोक का माहौल है। लोग पूछ रहे हैं कि खुलेआम इतनी बड़ी वारदात के बाद भी पुलिस खाली हाथ क्यों है। परिवार का कहना है कि जब तक हत्यारों को सख्त सजा नहीं मिलती, रोहित की आत्मा और परिवार दोनों को शांति नहीं मिलेगी। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की मांग की।

लाखनमाजरा में स्कूल बस हादसे के बाद एक्शन में पुलिस

नियमों का पालन न करने पर 12 वाहनों का चालान, एक बस जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए पुलिस ने स्कूल बसों और अन्य स्कूल वाहनों की जांच के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य स्कूलों द्वारा परिवहन संबंधी सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना और बच्चों को सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। अभियान का नेतृत्व यातायात विभाग के प्रभारी पश्चिम, निरीक्षक जसबीर सिंह और उपनिरीक्षक राजेश कुमार कर रहे हैं। दोनों अधिकारियों ने टीम के साथ कई स्कूल बसों की मौके पर जांच की और हर बस में मौजूद सभी अनिवार्य सुरक्षा मानकों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। हाल ही में लाखनमाजरा में दो स्कूली बसों की आपस में भिड़ंत हो गई थी। जिसमें कई बच्चे घायल हो गए थे। इसके अलावा आने वाले दिनों में कोहरे की वजह से हादसों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए कार्रवाई की जा रही है।

■ निरीक्षक जसबीर सिंह और उपनिरीक्षक राजेश कुमार की टीमों ने वाहनों का निरीक्षण किया

लाइसेंस व फिटनेस प्रमाणपत्र जांचे

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने बताया कि जांच के दौरान बसों के कागजात, चालकों के वैध ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र, बच्चों की सुरक्षा से जुड़े उपकरण, सुरक्षा नियमों के अनुरूप बस की संरचना आदि इन सभी पहलुओं का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया गया। कई बसों में सुरक्षा उपकरण अधूरे पाए गए, जबकि कुछ वाहनों में स्टाफ की कमी देखी गई। वहीं जांच टीम ने स्कूल बस चालकों तथा सहायकों से बातचीत करके यह भी जाना कि क्या वाहन से संबंधित किसी प्रकार की शिकायतें या तकनीकी दिक्कतें हैं। जहां शिकायतें दर्ज हुईं, वहां तुरंत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

अब तक जिले की 260 बसों का चेक किया

डेटा के अनुसार, इस वर्ष अब तक जिले में लगभग 260 स्कूल बसों की जांच की जा चुकी है। इनमें से 12 बसों के चालान नियमों की अनदेखी के चलते किए गए हैं, जबकि एक बस को जब्त भी किया गया है। यातायात पुलिस का कहना है कि आगे चैकिंग और भी तेज होगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सख्त निर्देश, बस में ये सभी सुविधाएं अनिवार्य

निरीक्षक जसबीर सिंह ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए हर स्कूल वाहन में निम्न अनिवार्य सुविधाएं होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बसों में सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, अग्निशामक यंत्र, प्राथमिक उपचार पेटी, स्पीड गवर्नर, साफ और सुरक्षित सीटिंग व्यवस्था, बच्चों को उतारने-चढ़ाने के लिए प्रशिक्षित सहायक जरूरी है। इसके अलावा, चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस और आवश्यक अनुभव होना अनिवार्य है। स्कूल वाहन में संगीत उपकरण, अतिरिक्त भीड़ या अवैध बदलाव को सख्ती से प्रतिबंधित किया गया है।

कोताही को सहन नहीं किया जाएगा

पुलिस ने जिले के सभी स्कूल संचालकों को चेताते हुए कहा है कि स्कूल बसों से जुड़े नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी तरह के समझौते का विषय नहीं हो सकती। जो भी स्कूल या चालक नियमों की अवहेलना करता पाया जाएगा, उसके खिलाफ तुरंत चालान और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लाखनमाजरा में भिड़ीं थी दो स्कूल बसें

गांव लाखन माजरा में सोमवार सुबह करीब आठ बजे दो स्कूल बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी जिसमें चार बच्चे सहित कुल 11 लोग घायल हो गए थे। हादसे में एक बस भगवतीपुर स्थित निजी स्कूल की थी, जिसमें लगभग 14 छात्र, चालक और एक महिला कंडक्टर सवार थे। जबकि दूसरी बस जींद के शाहपुरा के एक निजी स्कूल की थी, जिसमें विवाह समारोह से लौट रहे बराती सवार थे। हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा नियमों की जांच के लिए अभियान चला रखा है।

एलिवेटेड पुल पर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में अचानक आग लगी

रोहतक। एलिवेटेड पुल पर नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में वीरवार को अचानक आग लग गई। हालांकि ड्राइवर सुरक्षित आग से बच निकला। आग की वजह से लोग घबरा गए। जानकारी के अनुसार, नगर निगम ने हाल ही में 22 वार्डों के लिए सफाई का ठेका दिया है। इसके लिए करीब दो सौ नई गाड़ियां खरीदी गई हैं। अधिकतर गाड़ियां सीएनजी पर चलती हैं। इस दौरान जब गाड़ी में कूड़ा ले जाया जा रहा था तो उसमें अचानक आग लग गई। गाड़ी में आग लगी देखकर लोग घबरा गए। इस दौरान ड्राइवर ने खुद को बचाया और दमकल कर्मियों को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया।

■ मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया

नगर निगम की सख्ती : डेयरी जोन में भेजा जाएगा

डेयरियों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया तेज, 15 तक अंतिम मौका, देर होने पर रद्द होगा अलॉटमेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए डेयरियों को शहर क्षेत्र से बाहर निर्धारित डेयरी जोन में स्थानांतरित करने की कार्रवाई लगातार जारी रखे हुए हैं। निगम द्वारा स्थापित इस डेयरी जोन में कुल 250 प्लॉट आवंटित किए गए थे, जहां सभी डेयरियों को शिफ्ट किया जाना अनिवार्य है। इन 250 डेयरियों में से अब तक केवल 100 संचालकों ने अपनी डेयरियों को निर्धारित स्थल पर स्थानांतरित कर दिया है। वहीं शेष 150 आवंटियों द्वारा अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसके चलते नगर निगम ने कई बार नोटिस जारी किए, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया न मिलने पर वीरवार को एक बार फिर अंतिम सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। सभी संबंधित डेयरी संचालकों को अंतिम अवसर देते हुए स्पष्ट आदेश जारी किए हैं कि वे 15 दिसंबर 2025 तक अपनी डेयरियों को डेयरी जोन में शिफ्ट करें या फिर व्यक्तिगत रूप से आयुक्त कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

डेयरी संचालकों को अंतिम नोटिस जारी

शिफ्ट करना होगा

निगम का कहना है कि यह अंतिम मौका है और इसके बाद कोई ढील नहीं दी जाएगी। यदि आवंटियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी डेयरियों को शिफ्ट नहीं किया तो नगर निगम नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उनके अलॉटमेंट को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। इसकी जिम्मेदारी संबंधित डेयरी संचालक की होगी।

निगम ने डेयरी संचालकों से सहयोग मांगा

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने डेयरी संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि डेयरियों का स्थानांतरण शहर में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। शहर के अंदर संचालित डेयरियों से गंदगी, बदबू, पानी की निकासी में समस्या और मवेशियों की खुले में आवाजाही जैसी परेशानियां बढ़ती हैं। इस पर ध्यान देना जरूरी है।

विशेष गहन पुनरीक्षण

बीएलओ ने मतदाता सूचियों का मिलान शुरू किया

रोहतक। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से पूर्व की गतिविधि के तहत सभी बीएलओ द्वारा पिछले गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची वर्ष 2002 से वर्तमान मतदाताओं का मिलान किया जा रहा है। अभी तक राज्य के वर्तमान मतदाताओं की संख्या में से लगभग 79 लाख मतदाताओं का वर्ष 2002 की मतदाता सूची से मिलान किया जा चुका है। प्रवक्ता ने बताया कि इसके अतिरिक्त जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में शामिल नहीं थे, उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज था, के साथ मिलान किया जा रहा है। इस कार्य को समय पर पूर्ण करने के लिए राज्य के सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से सूचना प्राप्त कर रहे हैं।

2002 की सूची से होगा मिलान

अभी तक राज्य के वर्तमान मतदाताओं की संख्या में से लगभग 79 लाख मतदाताओं का वर्ष 2002 की मतदाता सूची से मिलान किया जा चुका है। प्रवक्ता ने बताया कि जिन मतदाताओं को यह मालूम नहीं है कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में स्वयं उनका नाम या उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम किस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किस भाग में दर्ज है तो वे आयोग की वेबसाइट पर खोज सकते है।

महम चीनी मिल के पास सड़क हादसा

कार असंतुलित होकर डिवाइडर पर चढ़ी बाल-बाल बची महिला सब इंस्पेक्टर

महम। वीरवार दोपहर को महम चीनी के सामने एनएच 9 के पुल पर एक भयानक सड़क हादसा हो गया। पैरा मिलिट्री फोर्स की एक महिला सब इंस्पेक्टर अपनी कार में दिल्ली से जालंधर जा रही थी। उसके पीछे पीछे उसका पति अलग गाड़ी में था। जब महिला अधिकारी की कार महम चीनी मिल के गेट के सामने बने राष्ट्रीय राजमार्ग के पुल पर पहुंची, तो एक ट्रक ने साइड दबा दी। जिस वजह से कार का संतुलन बिगड़ गया और कार पलटकर पुल के ऊपर जा चढ़ी। हादसा इतना भीषण था कि कार पुल से नीचे गिरते गिरते बाल बाल बच गई। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार पलटने व ऊंचाई पर उछलने से कार सवार महिला अधिकारी को चोटें आई हैं। लेकिन कार के एयर बैग खुलने से महिला की जान बच गई। सूचना मिलते ही महम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

कार से जालंधर जा रही थीं

ट्रक चालक पर लापरवाही का आरोप

हादसे में घायल महिला ने बताया कि एक ट्रक चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। गंभीर चोट न होने की वजह से घायल महिला अपने पति के संग अपने घर चली गई।

आज है इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

वॉलंटियर बनकर दुनिया बनाओ खूबसूरत

बच्चो, अपनी इच्छा से निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करने वाले लोगों को वॉलंटियर्स कहते हैं। ये वॉलंटियर्स इंसानों की ही नहीं, पशु-पक्षियों और नेचर की केयर करने में भी पीछे नहीं रहते। इस दुनिया को सुंदर-प्यारा बनाए रखने में वॉलंटियर्स का बहुत बड़ा योगदान होता है। बच्चो, तुम भी एक अच्छे वॉलंटियर बनकर अपने समाज-देश और पूरी दुनिया को खूबसूरत बनाओ।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, किसी की मदद करना का भाव तो हम सबके मन में होता है लेकिन इसे व्यवहार में उतारना आसान नहीं होता। अपने डेली रूटीन से किसी अच्छे काम के लिए समय निकालना मुश्किल होता है। किसी से मिलकर उसकी जरूरत या परेशानी के बारे में पूछने का काम भी सब नहीं कर पाते। सेवा-सहायता के इन प्यारे भावों को प्रैक्टिकली कर दिखाने का काम वॉलंटियर्स करते हैं। कैसे बिना किसी फायदे की चाह के अपनी छोटी-छोटी कोशिशों से किसी का मददगार बना जाए? कैसे अच्छी बातों को बर्ताव में उतारा जाए? किस तरह बिना दिखावे के किसी का साथ दिया जाए? किस तरह मोर्चे पर डटकर प्रकृति का ख्याल रखा जाए? पूरे तन-मन से कैसे किसी का मनोबल बढ़ाया जाए? ये सब कुछ ऐसे सेवाभावी लोगों यानी वॉलंटियर्स से सीखा जा सकता है।

छोटे-छोटे कदम भी अहम

प्यारे बच्चो, किसी की सहायता करने या उसे संबल देने का काम हर कोई कर सकता है। बच्चे भी कर सकते हैं। वॉलंटियर के रूप में जरूरी नहीं कि बड़े स्तर पर ही कुछ किया जाए। अपने घर, आस-पड़ोस, सड़क, स्कूल, पार्क हर जगह सहयोगी सिटीजन की भूमिका निभाई जा सकती है। मुसीबत में मददगार बनने या फिर दुःख तकलीफ में किसी का साथ देने के लिए बस इच्छा शक्ति की दरकार होती है। असल में कंसर्न की सोच अपना लें तो पॉजिटिव भागीदारी का रास्ता मिल ही जाता है। इस सरोकारी समझ से हमारा छोटा सा कदम भी किसी की बहुत बड़ी मदद कर सकता है। हेल्प करने, साथ देने की इस सोच से पूरी दुनिया सुंदर बन सकती है। सबका जीवन सहज-सरल हो सकता है।

यूं बनो मददगार

बच्चो, बड़ा दिल, खुली सोच और किसी की तकलीफ को समझने वाला हर इंसान वॉलंटियरिंग कर सकता है। जैसे किसी बुजुर्ग की मदद करना, पार्क में पेड़-पौधे लगाना, स्कूल में किसी साथी को चोट लगने या बीमार होने पर उसका बैग उठाना, ऐसे सभी काम सहायता का सुंदर भाव ही तो हैं। अपने एरिया में साफ-सफाई करते लोगों का साथ देने से लेकर घर में काम करने वाले सहायकों का बेवजह काम ना बढ़ाना भी, सेवा करने जैसा ही है। बच्चो, सिंपैथी और साथ देने की यह सोच बहुत से लाइफ स्किल्स भी सिखाती है। किसी तरह की कठिनाई या जरूरत में दूसरों का सहयोग करना अपने जीवन को संभालना भी सिखाता है। औरों का जीवन सहज बनाने के लिए किया गया छोटे से छोटा काम जिंदगी का सुंदर पाठ पढ़ाता है। इसीलिए न केवल खुद किसी की मदद करने की सोच रखनी चाहिए बल्कि वॉलंटियर्स का खूब सम्मान भी करना चाहिए। बच्चो, तुम्हें ऐसे पॉजिटिव काम करते देखकर दूसरे साथी भी प्रोत्साहित होते हैं। दुनिया को बेहतर बनाने के लिए तुम जैसे नन्हे वॉलंटियर्स की भूमिका भी बहुत अहम है। *

इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

बच्चो, हर साल 5 दिसंबर को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे असल में प्यार, परवाह और साझे जीवन का ही संदेश लिए है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1985 में शुरू किया गया यह खास दिन हर वर्ष एक विशेष संदेश देने वाले विषय यानी थीम को लेकर मनाया जाता है। साल 2025 में इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम है 'हर योगदान मायने रखता है'। इस थीम का मैसेज भी यही है कि बिना स्वार्थ की गई सेवा का हर छोटा या बड़ा कदम मायने रखता है। जितना संभव हो हम सबको यह सेवाभाव रखना चाहिए। समय, सेवा, धन या मान-मनोबल को उन लोगों तक पहुंचाना चाहिए, जो किसी तरह की परेशानी में हैं। इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे सभी को अपनी इच्छा से औरों के लिए हेल्पफुल बनने का संदेश भी देता है। साथ ही यह दिन दुनिया भर में उन लोगों को धन्यवाद देने का मौका भी है, जो अपना अनमोल वक्त स्वैच्छिक सेवा देने में लगाते हैं। सही मायने में मदद करने की भावनाओं को धरातल पर उतारते हैं। अपने आस-पास देखोगे तो तुम्हें भी ऐसे बहुत से संवेदनशील लोग मिल जाएंगे, जो किसी का सहयोग करने में आगे रहते हैं। बच्चो, इस वर्ष इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम 'एवरी कॉन्ट्रिब्यूशन मैटर्स' को याद रखते हुए तुम भी सहजता से किसी जरूरतमंद के लिए जो कुछ किया जा सके, वह जरूर करो।

बच्चो, अपने देश में एक ऐसी जगह है, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से दुनिया भर में मशहूर है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनोरम घाटियों, झीलों और हरे-भरे चारागाहों को देखने देश-दुनिया से पर्यटक आते हैं। जानो, भारत के 'मिनी स्विटजरलैंड' खज्जियार के बारे में।

भारत का मिनी स्विटजरलैंड खज्जियार

अमेजिंग प्लेस
नयनतारा

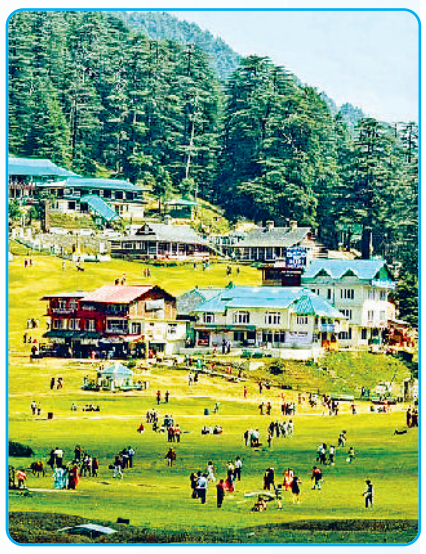

बच्चो, अपने देश में प्राकृतिक सुंदरता और विविधता की भरमार है। यहां हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर धूप में खिलते समुद्री तटों तक कई मोहक नजारे देखे जा सकते हैं। हमारे देश के कुछ स्थानों की तुलना अकसर विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशंस से भी की जाती है। भारत में एक जगह ऐसी भी है, जिसकी तुलना स्विटजरलैंड देश से की जाती है, इसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। इसका नाम है-खज्जियार।

स्विटजरलैंड जैसा खूबसूरत: हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में, डलहौजी से लगभग 24 किमी दूर धौलाधार पर्वत श्रृंखला के नीचे स्थित है खज्जियार। यहां दूर तक फैले हुए हरे घास के मैदान, विशाल पहाड़, गहरी घाटियां, क्रिस्टल की तरह साफ झीलें और हर तरफ प्राकृतिक सुंदरता छाई रहती है। किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसा सुंदर दिखने वाला यह मनोरम स्थल कई मायने में यूरोपीय देश स्विटजरलैंड जैसा है।

'मिनी स्विटजरलैंड' नाम कैसे-कब पड़ा: बच्चो, खज्जियार को यूं ही मिनी स्विटजरलैंड नहीं कहा जाता, बल्कि आधिकारिक रूप से इसे यह नाम दिया गया है। दरअसल, भारत में स्विटजरलैंड के तत्कालीन राजदूत विल्ली पी. ब्लेजर ने 7 जुलाई 1992 को खज्जियार को आधिकारिक तौर पर विश्व के उन 160 स्थानों में शामिल किया, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' कहे जाते हैं। उन्होंने खज्जियार में एक साइनबोर्ड भी लगवाया, जिसमें स्विस राजधानी बर्न से खज्जियार की दूरी 6,194 किमी दर्शाई गई है। मतलब यह कि स्विस सरकार भी खज्जियार को आधिकारिक तौर पर मिनी स्विटजरलैंड मानती है। यह बात स्विटजरलैंड की राजधानी बर्न में स्विस संसद के पास एक शिलालेख पर भी दर्ज है।

प्राकृतिक आपदाओं का रहता है खतरा: खज्जियार की गिनती निश्चित तौर पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे खूबसूरत स्थानों में होती है। लेकिन यहां भूकंप एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बना रहता है। यह स्थान समुद्र तल से लगभग 1,920 मी. या 6,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसके क्लाइमेट और वनस्पति जगत को प्रभावित करता है। खज्जियार को भूकंप जोन 5 के अंतर्गत रखा गया है, जिसका अर्थ है कि यहां अधिक तीव्रता के भूकंप का खतरा बना रहता है। *

कविता / दिनेश विजयवर्गीय

सर्दी की धूप

रेशम-सी मुलायम लगती
सर्दी की अलसाई धूप।
देर से आकर जल्दी जाती
भागम-भाग मचाती धूप।
बूढ़े-बच्चे धूप सेंकते
तन को बहुत सुहाती धूप।
दादा जी पढ़ते अखबार
जब आ जाती छत पर धूप।
धुंध कोहरा जब छा जाता
नजर न आती सोनल धूप।
शीत लहर के आतंक से
बेबस-सी हो जाती धूप।
सरसों के पीले खेतों में
गीत खुशी के गाती धूप।

हंसगुल्ले

हिंदी टीचर : 'दांत खट्टे करना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
आनंद : मैंने रोहन को इमली खिलाकर उसके दांत खट्टे कर दिए।
-तुषार, रायपुर

टीचर : तुम 18वीं सदी के वैज्ञानिकों के बारे में क्या जानते हो?
रोहन : सर, यही कि वे सब अब इस दुनिया में नहीं हैं।
-केशव, बिलासपुर

पापा (सौरभ से) : अगर तुम महान काम करोगे, तो तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा।
सौरभ : लेकिन पापा, मेरे पुराने नाम का क्या होगा?
-सुमन, भोपाल

जीके क्विज-182

1. हाल ही में पीएम मोदी ने किस सिख गुरु के सम्मान में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किए?
2. बैडमिंटन में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 पुरुष एकल का खिताब किसने जीता है?
3. बिहार के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
4. केरल की राजधानी कहां है?
5. 'मधुशाला' किस लेखक की प्रसिद्ध रचना है?
6. एलपीजी सिलिंडर में मुख्य रूप से कौन-सी गैस भरी होती है?
7. किस विटामिन को सोलर विटामिन कहा जाता है?
8. काठमांडू किस देश की राजधानी है?
9. कंगारू किस देश में पाया जाता है?
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-182 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-181 का उत्तर : 1.मीनाक्षी हूडा, 2.फातिमा बॉश, 3.फिलीपींस, 4.तैराकी, 5.हरा, 6. एंटनी वान ल्यूवेनहॉक, 7.सिक्किम, 8.जयप्रकाश नारायण, 9.न्यूटन, 10.इंदिरा प्वॉइंट

जीके क्विज-181 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, सूरज-रायपुर, कोमल-दुर्ग, साकेत-बिलासपुर, अंकित-रोहतक, अंश-भोपाल, शेखर-महासमुंद, हर्ष-बालोद

कहानी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

बंटी बेवकूफ है!

बंटी ने जब-जब किसी के साथ गलत-बुरा होते देखा, उसने उसकी मदद करनी चाही। लेकिन पापा ने उसे यह कहकर रोका, 'काहे दूसरों के मामले में अपनी टांग अड़ाते हो, यह बेवकूफी है।' फिर भी बंटी ने दूसरों की मदद करना नहीं छोड़ा। एक दिन तो बंटी की बुरी तरह पिटाई हो गई। क्या इसके बाद बंटी ने लोगों की मदद करना छोड़ दिया?

'पा...पापा वो देखो!' बालकनी में खड़े बंटी ने तेज आवाज में कहा और सीढ़ियों की तरफ दौड़ पड़ा। कमरे में बैठे पापा बालकनी में आए, देखा कि सामने सड़क पर एक लड़का गिरा पड़ा था, तीन लड़के उसकी पिटाई कर रहे थे।

'अरे बंटी! रुक...रुक...रुक बेटा!' आवाज देते पापा बंटी के पीछे दौड़े। सीढ़ियों से उतर कर बंटी घर से बाहर निकलने ही वाला था कि पापा ने उसकी बांह पकड़ ली। पापा ने डांटते हुए पूछा, 'तू कहां जा रहा है?'

'उस भैया की मदद करने। देखा नहीं आपने, तीन लड़के अकेले भैया की कैसी पिटाई कर रहे हैं?' बंटी अपनी बांह छुड़ाने की कोशिश करते हुए बोला।

'तुमसे क्या मतलब? चल अंदर..!' पापा ने गुस्से में कहा और दरवाजा बंद कर बंटी को ऊपर खींच लाए। बंटी मन मसोस कर रह गया।

ऐसे ही एक दिन बंटी अपने पापा के साथ स्कूटर पर बाजार जा रहा था। रास्ते में उसके बगल से एक मोटर साइकिल निकली, जिस पर दो नौजवान लड़के बैठे हुए थे। अचानक मोटर साइकिल सड़क के किनारे पैदल जा रही एक महिला के बगल में रुकी और पीछे बैठे लड़के ने झपट्टा मार कर उस महिला के गले से चेन खींच ली।

महिला सड़क पर गिर गई। वह चिल्लाती रही और मोटर साइकिल सवार लड़के तेजी से भाग गए।

'पापा...वो देखो उस मोटर साइकिल पर जा रहे लड़के आंटी के गले से चेन खींच कर भाग गए। आंटी जमीन पर गिर गई हैं।' बंटी ने पापा से कहा।

'तू चुप कर...!' पापा ने कहा और स्कूटर की स्पीड तेज कर दी।

'पापा...मैंने मोटर साइकिल का नंबर पढ़ लिया है। उसके आखिर में बी. एन. सिक्स थ्री नाइन टू लिखा था। हमें पुलिस को बता देना चाहिए।' बंटी बोला।

'तुमने कुछ नहीं देखा है। बस अपने काम से काम रखा करो। और सुनो, किसी से यह कहने की जरूरत नहीं कि तुमने मोटर साइकिल का नंबर देखा था।' पापा बोले।

'आखिर क्यों पापा? पुलिस को बता देने से शायद बदमाश पकड़ लिए जाएं, आंटी की चेन मिल जाए।' बंटी बोला। 'बेवकूफी की बात मत कर। मैं जितना कह रहा हूं, बस उतना ही सुना।' पापा ने जोर से डांटा। बंटी अपना मन मारकर बैठ गया।

उस दिन स्कूल में छुट्टी के बाद कक्षा सात और कक्षा आठ की क्रिकेट टीमों के बीच मैच था। अपनी कक्षा सात की टीम का एक खिलाड़ी बंटी भी था। मैच खत्म होने के बाद स्कूल से लौटने में देर हो गई थी। शाम का हल्का अंधेरा हो गया था। रास्ते में अचानक एक सुनसान गली से किसी लड़की के चीखने की आवाज सुनाई पड़ी। बंटी ने रुक कर इधर-उधर देखा, सामने दो बदमाश लड़के एक लड़की का रास्ता रोके खड़े थे। एक लड़के ने लड़की का हाथ पकड़ रखा था। लड़की रो रही थी। वह बार-बार 'प्लीज मुझे छोड़ दीजिए...प्लीज मुझे जाने दीजिए..' बोल रही थी, लेकिन वे बदमाश लड़के उसको जाने नहीं दे रहे थे।

सड़क पर जा रहे लोग लड़की की आवाज सुन कर गली की तरफ एक नजर देखते थे और आगे बढ़ जाते थे। किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं की। बंटी से रहा नहीं गया। वह तेजी से बदमाश लड़कों की ओर बढ़ा और अपना बैट पीछे से एक बदमाश के कंधे पर पूरी ताकत से दे मारा। इस अचानक हुए हमले से बदमाश घबरा गए। वे लड़की को छोड़ बंटी से भिड़ गए। इतने में लड़की को मौका मिल गया। वह भाग कर सड़क पर आई और 'बचाओ...बचाओ...बचाओ...बचाओ' चिल्लाने लगी। जब तक लोग जुटे तब तक वे बदमाश लड़के बंटी को पीटकर वहां से भाग गए थे। खबर मिली तो बंटी के पापा-मम्मी भागे-भागे वहां पहुंचे। उसे तुरंत घर ले आए फिर फर्स्ट एड करने के बाद पापा ने बंटी से कहा, 'बार-बार समझाया है मैंने, दूसरों के टंटे में मत पड़ा करो, लेकिन तुम सुनते ही नहीं। तुम्हें ऐसी बेवकूफी करने की क्या जरूरत थी, जो लड़की को बचाने चले गए। तुम क्या शक्तिमान हो?' मम्मी भी बोलीं, 'बंटी, तुम इस तरह की बेवकूफी क्यों करते हो, जो दूसरों की वजह से पिटो।'

लेकिन बंटी को अपनी बेवकूफी पर कोई पश्चाताप नहीं था। वह मन ही मन सोच रहा था, किसी के साथ कुछ बुरा हो रहा हो तो उसकी मदद करना, विरोध करना कैसे बेवकूफी कही जाएगी? इस तरह लोग चुप रहेंगे तो बदमाशों का चारों तरफ बोलबाला हो जाएगा। सभी को मिलकर इसका विरोध करना चाहिए। *

छोटी कहानी / मुग्धा

आलस्य का त्याग

एक चील थी। उसके दो नन्हे-नन्हे बच्चे थे। बच्चों के पंख आने में अभी काफी समय था, लेकिन वे अपनी मां से बाहर घुमाने की जिद करते। मां उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर घुमा देती थी। असल में चील अपने बच्चों से बहुत प्यार करती थी। उनकी सभी इच्छाएं पूरी करती थी। बच्चों को सब कुछ बैठे-बिठाए मिल जाने की वजह से बच्चे आलसी हो गए। यहां तक कि वे खुद उड़ने से कतराने लगे। चील ने कितना समझाया कि वे उड़ना सीखें, जरूरी है। लेकिन आलसी बच्चे उड़ने की जरा-सी भी कोशिश नहीं करते। चील अपने बच्चों के इस आलसीपन से बहुत दुखी थी।

एक दिन सुबह-सुबह चील ने बच्चों को अपनी पीठ पर बैठाकर ऊंची उड़ान भरी। ऊंचाई पर पहुंचकर चील ने पीठ पर बैठे दोनों बच्चों को गिरा दिया। वे करते तो क्या करते, मजबूरी में दोनों बच्चों ने अपने पंख फड़फड़ाना शुरू कर दिए, वे किसी तरह उड़े। जैसे-तैसे उन बच्चों ने अपनी जान बचाई। वापस आकर दोनों बच्चे अपनी मां पर बिगड़े, बोले, 'मां, आज तो आपने हमें मरवा ही दिया था। अगर हमने कोशिश कर अपने यह पंख न फड़फड़ाए होते, तो सोचो हमारे साथ क्या हो जाता?' चील ने हंसकर अपने बच्चों से कहा, 'जो लोग अपने आप नहीं सीखते हैं, आलस्य नहीं छोड़ते हैं, उन्हें सिखाने का यही नियम है। बच्चो, हमारी पहचान ऊंची उड़ान से है, यही हमारी विशेषता है। इसे बढ़ाने के लिए हमें निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए।' चील के बच्चों को अपनी मां की बातें समझ आ गईं। इसके बाद उन्होंने आलस्य छोड़कर उड़ना शुरू कर दिया। लगातार अभ्यास से वे भी काफी ऊंचाई पर उड़ने लगे। अब वह उड़ने के लिए अपनी मां पर निर्भर नहीं थे। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां रेंडियर के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी छह अंतर खोजो।

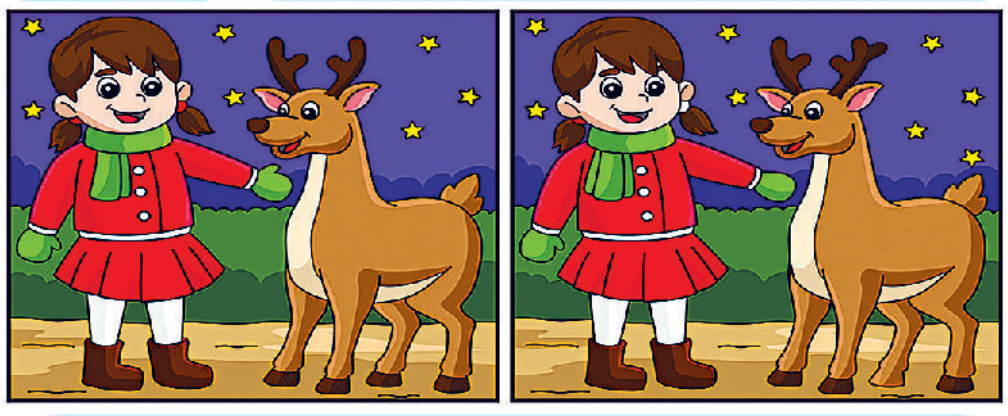

उत्तर: 1. लड़की के मफलर के आगे लटक रहे हिस्से में एक फोल्ड अधिक खुला हुआ है। 2.लड़की की बाईं चोटी में रेड की बजाय व्हाइट हेयर-बैंड लगा हुआ है। 3.लड़की के बाएं हाथ में पहने ग्लव में अंगूठा नहीं दिख रहा है। 4.रेंडियर की बाईं हॉर्न (सींग) में तीन ब्रांचेज हैं। 5.रेंडियर की पूंछ के ठीक ऊपर एक स्टार दिखाई दे रहा है। 6.रेंडियर के पिछले दाएं पैर में हूफ (खुर) नहीं है।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अपनों से बिछड़े अली की कहानी

बड़े और पूरे-पूरे पृष्ठों पर फैले हुए चित्रों वाली एक कहानी की किताब है-मैं अली। मूल रूप से अंग्रेजी में लिखी गई इस कहानी की किताब का हिंदी अनुवाद अभी छपकर आया है। देश की सीमा पर बसे एक छोटे से गांव की इस कहानी में एक परिवार की बात है। एक बार युद्ध होता है। इससे अफरा-तफरी मच जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि उस परिवार का गांव नदी के आर-पार दो हिस्सों में बंट जाता है। परिवार के जो लोग अपने मवेशी चराने जंगल की तरफ जाते हैं, वह एक अलग देश बन जाता है। एक हिस्से में रहने वाले लोगों को दूसरे हिस्से में आने-जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। इस वजह से परिवार का एक बच्चा अली, अपने मां, पिता और बहन से बिछड़कर एक बुजुर्ग के पास रह जाता है। यह बच्चा बड़े होने पर जब यह सब जानता है, तब क्या सोचता है और उसके मन में कैसी बातें आती हैं, यह इस किताब में पढ़ा जा सकता है। यह किताब युद्ध और उससे होने वाले बंटवारे से उपजी तकलीफों को प्रकट करती है। *

किताब : मैं-अली, **लेखन :** सुजाता पद्मनाभन, **अनुवाद :** विनता विश्वनाथन, **मूल्य :** 70 रुपए, **प्रकाशक :** एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल

खबर संक्षेप

हरियाणा फुटबॉल टीम ट्रायल्स की घोषणा

रोहतक। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन ने 79वीं नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप (संतोष ट्रॉफी) 2025–26 के लिए टीम चयन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एआईएफएफ की एड-हॉक कमेटी से चर्चा के बाद प्रशासक जस्टिस एच.एस. भल्ला ने हिसार में ट्रायल आयोजित करने का निर्णय लिया है। ये ट्रायल्स जीएसएसएस स्कूल मंगाली के फुटबॉल ग्राउंड में निर्धारित किए गए हैं। पहला चरण 6 दिसंबर को आयोजित होगा, जिसमें अंबाला, भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, गुरुग्राम, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल और कुरुक्षेत्र के खिलाड़ी शामिल होंगे।

एआई लैब के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

रोहतक। दादा लखमीचन्द राज्य दृश्य एवं प्रदर्शन कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) ने अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रयोगशाला स्थापित करने के उद्देश्य से वीरवार रुहिल फ़्यूचर टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्त्वपूर्ण सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को हरियाणा में एआई क्षमता निर्माण और तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देने वाली बड़ी पहल माना जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में दोनों संस्थानों ने इस बात पर जोर दिया कि साझेदारी का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों को नवीन तकनीकों से लैस करना, एआई साक्षरता बढ़ाना और अनुसंधान व नवाचार के लिए उन्नत वातावरण तैयार करना है।

गोष्ठी में एड्स के प्रति किया जागरूक

रोहतक। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य मे एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य टीम का नेतृत्व आई सी टी सी नोडल ऑफिसर डॉक्टर विवेक गेरा ने किया। सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र आर्य और स्थानीय उपमंडल नागरिक अस्पताल कलानौर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी डॉक्टर कमला वर्मा के आदेश अनुसार इस कार्यक्रम में एड्स को लेकर जानकारी दी गई।

पूर्णिमा पर स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

रोहतक। श्री बालाजी धाम गांव डोभ में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में हरिओम मित्तल एवं हरियाणा राज्य परिवहन जींद महाप्रबंधक राहुल जैन ने बतौर मुख्य यजमान शिरकत की। बालाजी के गुणगान के लिए भजन गायक पवन कटारिया, मंजीत पेटवाड़, संगीता राठौर दिल्ली को आमंत्रित किया गया। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में आंख जांच, दांत जांच, कोरियन मशीनों द्वारा एक्युप्रेशर, कान नाक गला की जांच की गई। संस्थापक प्रधान पुरूषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह हवन यज्ञ के साथ-साथ 108 बार हनुमान चालीसा पाठ किया जाता है। प्रत्येक महीने की पूर्णिमा को दोपहर श्री बालाजी का संकीर्तन, भण्डारे का आयोजन भी किया।

टीजीटी ड्राइंग शिक्षकों की मंडल स्तरीय कला कार्यशाला का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हिसार रोड में चरखी दादरी और जिले के टीजीटी ड्राइंग शिक्षकों के लिए आयोजित मंडल स्तरीय कला कार्यशाला के पांचवें बैच की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। कला के क्षेत्र में शिक्षकों को उन्नत तकनीकों और व्यावहारिक कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस सत्र ने अपने पहले दिन ही प्रभावशाली छाप छोड़ी।

समन्वयक डॉ. सुनीता अहलावत ने किया स्वागत

कार्यशाला की नोडल अधिकारी एवं समन्वयक डॉ. सुनीता अहलावत ने सभी उपस्थित शिक्षकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला केवल औपचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहां कलाकार-शिक्षक अपनी रचनात्मकता को निखार सकते हैं और नए प्रयोगों को आत्मसात कर सकते हैं।

उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण में शामिल हों और कला की सूक्ष्मताओं को समझते हुए अपने कौशल को निखारने का प्रयास करें। उनके अनुसार यह प्रशिक्षण आगे विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

मुख्य प्रशिक्षक शक्ति सिंह अहलावत ने दिए लाइव डेमो

मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रसिद्ध कलाकार शक्ति सिंह अहलावत उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला का पहला सत्र लाइव डेमो के माध्यम से शुरू किया। उन्होंने स्थल-चित्रण (लैंडस्केप) के एक जीवंत दृश्य को कैनवास पर उकेरकर प्रतिभागियों को यह समझाया कि चित्रकला में रेखाओं, रंगों और प्रकाश की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। सत्र के दौरान उन्होंने ऐक्रेलिक रंगों के उपयोग की विस्तृत तकनीकें साझा कीं।

टीम और मास्टर ट्रेनर्स का सराहनीय योगदान

कार्यशाला को सफल बनाने में सभी मास्टर ट्रेनर्स और सहायक टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पंजीकरण प्रक्रिया, सामग्री की उपलब्धता और प्रशिक्षण व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोगी दल पूरी तत्परता के साथ कार्य करता दिखाई दिया। पहले दिन का सत्र शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और रचनात्मक अनुभव प्रदान करने वाला रहा।

ऐक्रेलिक रंगों का इतिहास और विशेषताएं

कार्यशाला में ऐक्रेलिक रंगों के इतिहास और निर्माण प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि ऐक्रेलिक पेंट का विकास 20वीं शताब्दी के मध्य, लगभग 1940 के दशक में हुआ। यह रंग सिंथेटिक रेजिन और पिगमेंट को मिलाकर तैयार किए जाते हैं, जिसके कारण इनमें तेल और जल रंगों दोनों के गुण देखने को मिलते हैं।

कार्यशाला से शिक्षकों को मिलेगा बड़ा लाभ

कला कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक माध्यमों और नई तकनीकों से परिचित कराना है। आज का पहला दिन इस दिशा में बेहद सफल और उत्साहजनक रहा। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह प्रशिक्षण कला शिक्षकों की रचनात्मक क्षमता को नई दिशा देगा और स्कूल स्तर पर कला शिक्षा को और समृद्ध बनाएगा।

एमडीयू में दीक्षांत समारोह के लिए पंजीकरण 15 दिसम्बर तक

कुलपति की अध्यक्षता में डीन और विभागाध्यक्षों की विशेष बैठक

- विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। डीन और विभागाध्यक्षों की बैठक लेते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में आज हुई बैठक में विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। कुलपति ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं नियामकीय मानकों के अनुरूप कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि मान्यता, रैंकिंग तथा दूरस्थ शिक्षा से संबंधित किसी भी भ्रामक जानकारी का समयबद्ध खंडन कर तथ्यात्मक स्थिति विद्यार्थियों एवं अभिभावकों तक पहुंचाई जाए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय मई 2025 तक की परीक्षाओं में संपूर्ण विषयों में सफल घोषित स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी (जिनके नोटिफिकेशन जारी हो चुके हैं) विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा। पात्र छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। समारोह की तिथि एवं विस्तृत कार्यक्रम अलग से जारी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी छात्रों, अभिभावकों एवं हितधारकों से आग्रह किया कि वे मान्यता, रैंकिंग और कार्यक्रमों की वैधता से संबंधित जानकारी केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत माध्यमों से ही प्राप्त करें। प्रेस और मीडिया के प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया गया कि ऐसे संवेदनशील शैक्षणिक विषयों पर किसी भी समाचार के प्रकाशन से पूर्व विश्वविद्यालय से तथ्यात्मक जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि अनावश्यक भ्रम से बचा जा सके। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन कार्यक्रमों रूपरेखा बताई

सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के निदेशक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने दूरस्थ एवं ऑनलाइन कार्यक्रमों की वैधता संबंधी तथ्यात्मक स्थिति सामने रखी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी ऑनलाइन एवं दूरस्थ कार्यक्रम यूजीसी-ओडीएल/ऑनलाइन विनियमों के अनुरूप मान्य हैं तथा इनकी नियामकीय स्वीकृतियां शैक्षणिक सत्र 2025-26 तक प्रभावी हैं। वर्तमान सत्र के विद्यार्थियों की पढ़ाई, परीक्षा एवं डिग्री पूरी तरह सुरक्षित और वैध है। साथ ही यूजीसी-डीईबी द्वारा 2025-26 सत्र के विद्यार्थियों के लिए डीईबी आईडी भी जारी की जा चुकी है, जो नियामक स्वीकृति की पुष्टि करती है।

राज्य विश्वविद्यालयों में 43वें स्थान पर है एमडीयू

आईक्यूएसी निदेशक प्रो. बी. नरसिम्हन ने नैक मान्यता के मुद्दे पर विश्वविद्यालय का पक्ष रखते हुए बताया कि एमडीयू को वर्ष 2019 में ए+ ग्रेड प्रदान किया गया था। जनवरी 2024 में नैक द्वारा नई मान्यता प्रणाली लागू किए जाने के बाद विश्वविद्यालय समय रहते नई पद्धति के तहत आवेदन करने की इच्छा से नियमित पत्राचार कर रहा है और नई प्रणाली पूर्णतः लागू होते ही अगले चक्र की मान्यता हेतु पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एमडीयू निरंतर राष्ट्रीय स्तर की एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाए हुए है और नवीनतम सूची में राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 43वें स्थान पर है। बैठक में डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. सी. मलिक, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, कुलपति के सलाहकार प्रो. अजय के. राजन सहित विभिन्न संकायों के डीन, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

रोहतक। होटल प्रबंधन संस्थान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भालौठ की छात्राओं के साथ प्रिंसिपल शंभूनाथ गौतम तथा विकास देशवाल।

-स्कूली छात्राओं ने आईएचएम में सीखा सैंडविच बनाना

रोहतक। स्थानीय तिल्यार लेक स्थित होटल प्रबंधन संस्थान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भालौठ की 25 छात्राओं के दल ने विभिन्न प्रकार के सैंडविच बनाने सीखे। आईएचएम के व्याख्याता विकास देशवाल ने बताया कि इस दौरान बच्चों ने संस्थान के कार्य प्रणाली एवं पाठ्यक्रमों की भी जानकारी प्राप्त की। शेफ राजाराम पंडित द्वारा छात्राओं को ग्रिल सैंडविच, कॉलस्लो सैंडविच बनाने की विधि सिखाई। प्रिंसिपल शंभूनाथ गौतम तथा विकास देशवाल ने छात्राओं को संस्थान में दाखिले की प्रक्रिया एवं होटल मैनेजमेंट करने के बाद विभिन्न कार्यक्षेत्रों में विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी।

रोहतक। बच्चों को शिक्षा सामग्री प्रदान करते पुलिस अधिकारी अमर कटारिया।

जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री दी

रोहतक। गांव सीसरौली के माध्यमिक पाठशाला में जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री दी। जिसमें सर्दी से बचने के लिए जर्सी व जूते दिए गए। मुख्य अतिथि पुलिस अधिकारी अमर कटारिया मुख्य तौर पर मौजूद रहे। उनके साथ में संस्था के प्रधान नरेंद्र कटारिया, महासचिव राजकुमार कटारिया, स्कूल की प्रिंसिपल मुकेश व स्कूल का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा। अमर कटारिया ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की वह बच्चों को रोड सेफ्टी के नियम भी बताएं।

जेजेपी के स्थापना दिवस पर रैली को दुष्यंत चौटाला ने पदाधिकारियों से किया सफल बनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

जननायक जनता पार्टी ने 7 दिसंबर को जुलाना में अपने 8वें स्थापना दिवस पर होने वाली रैली को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने वीरवार को जिले के हल्कों में जाकर सम्मानित ग्राम वासियों से जनसंपर्क किया और उन्हें स्थापना दिवस रैली में शामिल होने का सादर निमंत्रण दिया। उनके साथ जिला प्रभारी हरज्ञान मोखरा और जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ. संदीप हुड्डा भी मौजूद रहे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि स्थापना दिवस पार्टी की पहचान और मजबूती का प्रतीक है, इसलिए इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने जिला और हल्का स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ें और उन्हें 7 दिसंबर को होने वाली रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

सरकार ने महिलाओं की पेंशन काटी

नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा प्रदेश में 6900 के आस पास महिलाओं की विधवा पेंशन काट दी गई। 37000 बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन काट कर 200 बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने का झूठा वादा कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान और जवान दोनों की दुर्गति हो रही है। आज किसान मंडियों में अपनी फसल की बिक्री को लेकर बेहद परेशान हैं क्योंकि उन्हें अपने उत्पाद का उचित समर्थन मूल्य भी नहीं मिल रहा है। बाढ़ प्रभावित किसानों को अब तक सरकार की ओर से उचित मुआवजा भी नहीं दिया गया है। इसके अलावा, किसानों को बाजरा 750-800 रुपये सस्ता बेचना पड़ा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर हुई है। ग्रामीण इलाकों में सरकार की ओर से मिलने वाली ग्रांट भी नहीं दी जा रही है, जिससे किसान और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल के खेल मोहत्सव में छाए विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में पिछले तीन दिनों से खेल महोत्सव बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन बाबा जतिंदर पाल सिंह सोढ़ी के आशीर्वाद से और भी सफल एवं प्रेरणादायक बना। नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं 100 मीटर, 200 मीटर रेस, हर्डल रेस, लॉन्ग जंप, खो-खो, कबड्डी, टग ऑफ वॉर आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राथमिक वर्ग की विशेष रेस ने सभी का मन मोह लिया, जिसमें छोटे बच्चों का उत्साह देखने लायक था। खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास जैसे जीवन कौशलों का विकास करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के जनरल सेक्रेटरी प्रीतम दास भ्याना, श्री दर्शन धींगरा और जीडी जावा ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्या डॉ. निर्मल पोपली के मार्गदर्शन में आयोजित इस स्पोर्ट्स मीट ने पूरे विद्यालय परिसर को तीन दिनों तक जोश और स्पोर्ट्समैनशिप की भावना से सराबोर रखा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि खेल 'हार न मानने' की भावना को मजबूत करते हैं और बच्चों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में उप-प्राचार्या सोनिया सिंधवानी, पीटीआई नरेंद्र और सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया गेम्स में एमडीयू महिला टेनिस टीम ने जीता स्वर्ण

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की महिला टेनिस टीम ने राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। देशभर की 150 टीमों के बीच हुए इस प्रतिष्ठित आयोजन में एमडीयू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11वां स्थान प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में एमडीयू की टीम अंजली राठी, रैने सिंह और कनिका ने निर्णायक क्षणों में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए उस्मानिया विश्वविद्यालय को 2-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कोच श्रवण कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में गजब की लगन और संयम दिखाया, जो इस ऐतिहासिक जीत का आधार बना। टीम की इस बड़ी उपलब्धि पर एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत और खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत विश्वविद्यालय के खेल उत्कृष्टता और खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत का प्रमाण है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उम्मीद जताई कि एमडीयू भविष्य में भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

रोहतक। विजेता खिलाड़ी अपने ट्रॉफी के साथ ।

7 दिसम्बर को भिवानी में परियोजनाकर्मियों का प्रदर्शन

रोहतक। केंद्र सरकार के परियोजनाकर्मियों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन के तहत भिवानी में परियोजनाकर्मियों के तीन दिवसीय जोनल पड़ाव में 7 दिसंबर को रोहतक जिले की सैकड़ो मिड डे मील वर्कर हिस्सेदारी करेंगी। महापड़ाव की तैयारी में जिलास्तरीय पदाधिकारी की मीटिंग में तैयारी का जायजा लिया। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (सीटू) की जिला प्रधान बबीता, कोषाध्यक्ष प्रकाशचंद्र और जिला सचिव रीना ने कहा कि वर्ष 2025 में आईसीडीएस ने 50 वर्ष, एमडीएम योजना ने 30 वर्ष और एनएचएम ने 20 वर्ष पूरे किए हैं। 45 वें भारतीय श्रम सम्मेलन द्वारा स्कीम वर्कर्स को नियमित करने, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा की अनुशंसा किए हुए एक दशक से अधिक समय बीत चुका है। इस बीच भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को ग्रेच्युइटी देने का आदेश दिया है। सरकार ने मार्च 2025 की शुरुआत में ही आशा वर्कर्स के निश्चित वेतन में वृद्धि की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है। डिजिटलीकरण के नाम पर सरकार इन योजनाओं के हकदारों को समाप्त करने के पागलपन में लगी हुई है।

रोहतक। मीटिंग करते मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (सीटू) के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल।

उपायुक्त सचिन गुप्ता के निर्देशानुसार आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे बारे दिशा-निर्देश दिए गए। लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक दलीप सिंह, डीएमसी जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों की इन शिकायतों का जल्द निपटारा किया जाये। नगराधीश अंकित कुमार ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी आदि पोर्टल पर लंबित सभी शिकायतों का तुरंत निपटारा करें।उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार हर सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित कर नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। इन शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू करते है। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डॉ. सुरेंद्र मलिक, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम की कार्यकारी अभियंता सीमा नारा, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा, जिला सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गौरिका सुहाग, एलडीएम महाबीर प्रसाद, जिला कल्याण अधिकारी रेनू सिसोदिया सहित कई अफसर मौजूद रहे।

लीग मैच में गोयल क्रिकेट क्लब विजेता

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट मैदान पर वीरवार को खेले गए रोमांचक लीग मैच में गोयल क्रिकेट क्लब ने दमदार प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट अकैडमी रोहित शर्मा को 92 रनों से हराकर यादगार जीत दर्ज की। गोयल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 270 रन बनाए और पूरी टीम 42.2 ओवर में आउट हुई। टीम की ओर से अरयन खनगवाल ने 70 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रणवीर ने 27 रन का योगदान दिया। युगल भारद्वाज,अर्जुन मोर, ध्रुव शर्मा और चिराग ने भी आवश्यक समय पर टीम के लिए उपयोगी रन जोड़े। मध्यम क्रम में रन गति संभालने का श्रेय टीम के सामूहिक प्रयास को जाता है। जवाबी पारी में क्रिकेट अकैडमी रोहित शर्मा की शुरुआत लड़खड़ाती रही। ओपनर अरुण दहिया ने 8 रन बनाए, माहीन ने 96 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- Nursing Staff 4
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- Ward Boy 2
- Computer Operator (Male) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

रोहतक ही नहीं, पूरे हरियाणा में आरसी इश्यू करने का कार्य लगभग बंद, रोहतक में 31 अक्टूबर को खत्म हुए थे कार्ड

रोहतक अथॉरिटी में 3000 वाहन मालिकों को आरसी का इंतजार, गलती रोज माल्टा की, खरी-खोटी सुन रहे कर्मचारी

- अधिकारी कार्ड सप्लाई करने वाली कंपनी को लगातार भेज रहे हैं पत्र
- रोहतक एसडीएम ने बुधवार को भी कंपनी के नेशनल कॉर्डिनेटर से कार्ड भेजने के लिए की बात

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

रोहतक सब डिविजन में वाहन मालिकों को रजिस्ट्रेशन कार्ड(आरसी) नहीं मिल रही हैं। इसकी वजह है कि आरसी के स्मार्ट कार्ड उपलब्ध न होना। कार्ड 31 अक्टूबर को खत्म हुए थे। इसके बाद से अधिकारी कार्ड मंगवाने के लिए लगातार रोज माल्टा कंपनी को फोन पर व्यक्तिगत रूप से बातचीत तो कर रहे हैं। कई बार पत्र मेल किए जा चुके हैं। गत वीरवार को तो अफसर ने कंपनी के राष्ट्रीय प्रबंधक से भी बातचीत की। कार्ड कब आएंगे, ये फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। बताया जा रहा है कि रोहतक ही नहीं पूरे हरियाणा में आरसी स्मार्टकार्ड ऑथॉरिटीज के पास नहीं हैं। सूत्र तो ये भी बताते हरियाणा ही नहीं, कई राज्यों की वाहन पंजीकरण ऑथॉरिटी प्रभावित हैं। कारण है कि पूरे देश में रोज माल्टा कंपनी को ही कार्ड सप्लाई करने का अनुबंध केंद्रीय स्तर पर किया हुआ है।

कर्मचारी परेशान

हरियाणा में वाहन आरसी आमतौर पर आवेदन स्वीकृत होने के बाद 7 कार्य दिवस के भीतर स्पीड पोस्ट के माध्यम से वाहन मालिक के आवासीय पते पर भेज दी जाती है। कभी-कभी प्रक्रिया में थोड़ा और समय लग सकता है। खासकर यदि कोई समस्या हो तो। लेकिन सामान्य प्रक्रिया के अनुसार यह लगभग एक सप्ताह में हो जाती है। जबकि अधिकारी कहते हैं कि आरसी वाहन मालिक तक पहुंचने में 12-16 दिन तो लग ही जाते हैं। रोहतक ऑथॉरिटी में तय समय के बाद भी कई दिन तक आरसी न मिलने की वजह से मालिक आए दिन ई दिशा केंद्र समेत ऑथॉरिटी कार्यालय पहुंच रहे हैं।

ये स्मार्टकार्ड आरसी

वाहन आरसी स्मार्टकार्ड एक प्लास्टिक का कार्ड है, जो वाहन के पंजीकरण प्रमाणपत्र का डिजिटल और अधिक सुरक्षित रूप है। इसमें वाहन और मालिक की सभी जानकारी एक चिप में स्टोर होती है, जैसे गाड़ी नंबर, इंजन नंबर, और मालिक का नाम और पता। यह पारंपरिक आरसी बुक का एक उन्नत और सुविधाजनक विकल्प है। , जिसे पर्स में आसानी से रखा जा सकता है। और पुलिस द्वारा आसानी से स्कैन भी किया जा सकता है। स्कैन होते ही तुरंत सारी जानकारी पुलिस को मिल जाती है। हरियाणा में स्मार्टकार्ड तकरीबन सात आठ से जारी किए जा रहे हैं।

ये है चालान का प्रावधान

हरियाणा में आरसी (पंजीकरण प्रमाण पत्र) न होने पर पहली बार चालान 5,000 रुपये तक का कट सकता है। अगर आप दोबारा से यह गलती करते हैं, तो जुर्माना 10,000 हो जाएगा। ध्यान रहे कि चालान का रिकॉर्ड बकायदा आरसी स्मार्टकार्ड में दर्ज किया जाता है। ताकि पुलिस को ये मालूम हो सके कि वाहन मालिक ने अभी तक कितनी बार यातायात के नियमों की अवेहलना की है। अगर आप अपना चालान नहीं भरते हैं, तो ट्रैफिक विभाग वर्चुअल कोर्ट समन जारी कर सकता है । चालान न भरने पर लेट फीस, लाइसेंस निलंबन या गाड़ी जब्त भी हो सकती है। स्मार्टकार्ड आरसी होने पर ऑनलाइन चालान भी किए जाने का प्रावधान सरकार ने किया हुआ है।

कार्रवाई के दौरान 146 देसी पिस्तौल, 5 रिवॉल्वर, 2 गन, 8 मैग्जीन, 3 चाकू और 318 कारतूस बरामद किए

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध हथियार तस्करी पर कसा शिकंजा, 11 माह में 233 आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विशेषकर अवैध हथियारों की तस्करी और उन्हें रखने वालों के विरुद्ध की गई कार्रवाई जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

पुलिस ने अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और अपराधियों की धरपकड़ को लेकर वर्ष 2025 में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। विशेषकर अवैध हथियारों की तस्करी और उन्हें रखने वालों के विरुद्ध की गई कार्रवाई जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। जनवरी 2025 से नवंबर 2025 के बीच पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत कुल 148 मामले दर्ज कर 233 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि पुलिस ने अवैध हथियारों के नेटवर्क पर न केवल पैनी नजर बनाई बल्कि इस अमानवीय एवं खतरनाक गतिविधि में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई भी की।

सैकड़ों हथियार व कारतूस बरामद तस्करी के नेटवर्क पर नकेल

पुलिस की कार्रवाई के दौरान 146 देसी पिस्तौल, 5 रिवॉल्वर, 2 गन, 8 मैग्जीन, 3 चाकू और 318 कारतूस बरामद किए गए। ये हथियार और गोलियां बताती हैं कि यदि समय रहते इन पर नियंत्रण नहीं किया जाता, तो अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी होना तय था। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ कर अवैध हथियार सप्लाई से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग भी हासिल किए हैं, जिससे नेटवर्क को और कमजोर करने में मदद मिली है।

अवैध हथियारों के खतरे और पुलिस की सख्त नीति

अवैध हथियार समाज में असुरक्षा का बड़ा कारण बनते हैं। चोरी, लूट, हत्या और गैंगवार जैसे अपराधों में अक्सर इनका इस्तेमाल होता है। पुलिस द्वारा 11 महीनों में की गई यह व्यापक कार्रवाई दर्शाती है कि रोहतक पुलिस अपराध मुक्त समाज के लिए पूरी दृढ़ता के साथ काम कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान उन क्षेत्रों व व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिन पर पहले भी हथियार तस्करी या गैंग गतिविधियों में शामिल होने का संदेह था। थाना, चौकी स्तर पर विशेष टीमों का गठन कर रोजाना की कार्रवाई की प्रस्तुति वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाती रही, जिससे दबाव की स्थिति लगातार बनी रही।

लोगों से अपील, सूचना देने वाले का नाम रहेगा गुप्त

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी हथियार तस्करी, हथियार बनाने या खरीद-बिक्री की गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए जिले में जगह नहीं दी जाएगी और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जनता की सहभागिता पुलिस के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही है। कई मामलों में लोगों द्वारा दी गई गोपनीय सूचनाओं ने पुलिस को सही दिशा में काम करने में मदद की है। यही कारण है कि पुलिस ने आगे भी इस अभियान को और तेज करने की बात कही है।

जागरूकता और सतर्कता से मिलेगा अपराध मुक्त समाज

एसपी सुरेंद्र भौरिया का मानना है कि यदि समाज सुरक्षित बनाना है तो केवल पुलिस ही नहीं बल्कि हर नागरिक का दायित्व बनता है कि अवैध गतिविधियों की जानकारी समय रहते साझा करें। अवैध हथियारों की उपलब्धता अपराध को बढ़ावा देती है, इसलिए पुलिस का अभियान केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता पैदा करने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालयों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा जनजागरण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं, जिनमें युवाओं को अवैध हथियारों के दुष्परिणाम और अपराध से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन में पुलिस की बड़ी सफलता, दो युवक अवैध शराब सहित काबू

रोहतक। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत अवैध शराब तस्करी पर बड़ा प्रहार किया गया है। पुलिस ने अलग-अलग इलाकों से दो युवकों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 11 बोतल, 24 अध्धे और 40 पव्वे देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सांपला थाना में पहली कार्रवाई: प्रभारी थाना सांपला निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्य सिपाही प्रवेश के नेतृत्व में पुलिस टीम हसनगढ़–सिसाना रोड पर गश्त के दौरान मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध रूप से घूम रहे प्रदीप पुत्र दयानंद निवासी हसनगढ़ को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 36 पव्वे, 10 अध्धे और 4 बोतल देसी शराब बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

शहर थाना में दूसरी गिरफ्तारी: इसके अलावा प्रभारी थाना शहर रोहतक निरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि मुख्य सिपाही कर्मबीर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फौजी कॉलोनी के पास नाकाबंदी के दौरान अजय पुत्र मदनलाल निवासी सूर्या कॉलोनी रोहतक को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 4 पव्वे, 14 अध्धे और 7 बोतल देसी/अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

पुलिस का अभियान जारी: पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब की सप्लाई, बिक्री और परिवहन में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

बाबा मस्तनाथ विवि में बायोडायवर्सिटी क्लब ने आयोजित किया विशाल पौधरोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के बायोडायवर्सिटी क्लब ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत करना तथा आसपास की वनस्पतियों को बचाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. बीएम यादव तथा रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से पौधा रोपकर किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वनस्पतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से बोधि वृक्ष (पीपल) के धार्मिक, औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्व के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि एक-एक पेड़ हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है।

पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी

रजिस्ट्रार ने बच्चों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अगर हम आज पेड़ नहीं लगाएंगे तो कल हमारे बच्चों के पास साफ हवा भी नहीं बचेगी। कार्यक्रम में बायोडायवर्सिटी क्लब के सभी सक्रिय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया तथा नवरोपित पौधों की देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्वीकार की। विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधे परिसर में रोपे गए। अंत में फैकल्टी ऑफ साइंसेज के डीन डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। यह सराहनीय कार्यक्रम बायोडायवर्सिटी क्लब के नोडल ऑफिसर डॉ. कृपाराम तथा डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. सीमा कुमारी के अथक प्रयासों से सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के सभी शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बहू जमालपुर में बिजली दरबार लगाया

रोहतक। गांव बहू जमालपुर में वीरवार को उपमंडल अधिकारी रामप्रशाद द्वारा बिजली दरबार लगवाया गया। इस दौरान लोगों की बिजली संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बारे लोगों को बताया गया। लोगों को ग्रीन एनर्जी के उपयोग करने से होने वाले लाभ की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान सुरेश फोरमैन, शमशेर फोरमैन , सरपंच ग्राम पंचायत संजय, पंच एवं गांव के ग्रामीण शामिल हुए।

स्पोर्ट्स नर्सरियों में सुरक्षा के सख्त निर्देश

रोहतक। जिला खेल अधिकारी की ओर से जिले में संचालित सभी प्राइवेट स्पोर्ट्स नर्सरियों के संचालकों और प्रशिक्षकों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यदि किसी स्पोर्ट्स नर्सरी में खेल मैदान या उपकरण खराब, क्षतिग्रस्त या असुरक्षित हालत में पाए जाते हैं, तो यह नर्सरी संचालक की जिम्मेदारी मानी जाएगी। ऐसे मामलों में नर्सरी संचालक और प्रशिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा सकती है। यदि किसी नर्सरी में मैदान या उपकरण खराब हैं और इस कारण खिलाड़ियों के अभ्यास या खेल गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है, तो उस नर्सरी को तुरंत अन्य सुरक्षित खेल मैदान की व्यवस्था करनी होगी। यदि नर्सरी संचालक किसी अन्य मैदान की व्यवस्था करने में असमर्थ है, तो उसे तत्काल खेल अधिकारी के कार्यालय को सूचना देनी होगी, ताकि खिलाड़ियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि किसी नर्सरी में कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नर्सरी संचालक और प्रशिक्षक की होगी।

पिच पॉइंट हरियाणा-2025 देगा युवाओं को वैश्विक स्टार्टअप मंच

- युवा उद्यमियों को मिलेगा अपने नवाचार प्रस्तुत करने, मेंटरशिप पाने और 10 मिलियन डॉलर तक की संभावित फंडिंग हासिल करने का अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप और एलुमनी रिलेशंस विभाग द्वारा रूहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज (आरएफटी) के सहयोग से 12 दिसंबर को पिच पॉइंट हरियाणा 2025 का आयोजन किया जा रहा है। सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की निदेशक प्रो. सोनिया ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपने स्टार्टअप आइडियाज को मजबूत मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देना है, जहाँ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के इनोवेटर्स, उद्योग विशेषज्ञ और निवेशक मौजूद रहेंगे।

उद्यमियों से बातचीत का मौका मिलेगा

निदेशक एलुमनाई रिलेशन्स प्रो. सुमित गिल ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं के सपनों को नए आयाम देने वाला साबित होगा और कई उभरते उद्यमों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिच पॉइंट हरियाणा 2025 में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अपने स्टार्टअप मॉडल को प्रस्तुत करने के साथ-साथ अनुभवी उद्यमियों से बातचीत और नेटवर्किंग का मौका मिलेगा। चयनित स्टार्टअप्स को अपने प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए 10 मिलियन डॉलर तक की फंडिंग प्राप्त करने का अवसर भी रहेगा, जो किसी भी उभरते उद्यम के लिए बड़ा प्रोत्साहन है। कार्यक्रम के लिए पंजीकरण 10 दिसंबर 2025 तक किया जा सकता है। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित ऑनलाइन फॉर्म भरकर अपने विचार और विवरण जमा कर सकते हैं। आयोजकों ने बताया कि युवाओं में नवाचार की क्षमता को दिशा देने तथा हरियाणा को स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है।

सद्भावना यात्रा लेकर चौबीसी चबूतरे पर पहुंचे बृजेंद्र सिंह, एमएलए बलराम दांगी कहीं दिखाई नहीं दिए

- विधायक बलराम दांगी और उनके समर्थकों ने कार्यक्रम से दूरी बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भावना यात्रा वीरवार को महम में चौबीसी चबूतरे पर पहुंची। यहां पर बृजेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को नमन किया और स्वतंत्रा आंदोलन के दौरान दिए गए उनके बलिदान को याद किया। चबूतरे पर बृजेंद्र सिंह को उनके समर्थकों ने लड्डुओं से तोला। खेड़ी महम गांव में उनके समर्थकों ने उनको चारपाई भेंट की और फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। उसके बाद यात्रा निंदाना, बैंसी और लाखन माजरा पहुंची। यात्रा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी विरेंद्र सिंह भी शामिल हुए।

दांगी अनुपस्थित, यात्रा पर सवाल

महम से कांग्रेस के विधायक बलराम दांगी उनकी यात्रा में शामिल नहीं हुए। दांगी के समर्थकों ने भी इस कार्यक्रम से दूरी बनाई। केंद्रीय मंत्री बिरेंद्र सिंह कांग्रेस के बड़े नेता हैं और उनके बेटे बृजेंद्र सिंह भी पूर्व सांसद हैं। बावजूद इसके दांगी परिवार का सद्भावना यात्रा से दूरी बनाना चर्चा का विषय बना रहा। भले ही यह यात्रा बृजेंद्र सिंह की व्यक्तिगत यात्रा हो सकती है। यदि इसी तरह कांग्रेस नेता एक दूसरे के कार्यक्रमों से दूरी बनाएंगे, तो कांग्रेस के लिए आने वाले चुनाव में डगर कठिन हो सकती है। चौधरी विरेंद्र सिंह उनके और बेटे बृजेंद्र सिंह को सुनने के लिए बहुत कम लोग चौबीसी चबूतरे पर पहुंचे। ज्यादातर वही लोग यात्रा में शामिल हुए, जिनके उनके साथ व्यक्तिगत या रिश्तेदारी के संबंध थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्राओं ने आईएचटीएम का किया शैक्षणिक भ्रमण

भिवानी की बेटियों ने जानी हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म की दुनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, देवराला, भिवानी की छात्राओं और अध्यापकों ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दल में विद्यालय के प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी, टीजीटी इंग्लिश पूनम, वंदना, टीजीटी हिंदी प्रेरणा, संगीत अध्यापिका निनीमा और काउंसलर सुमित शामिल रहे। आईएचटीएम पहुंचने पर निदेशक प्रो. आशीष दहिया ने छात्राओं और साथ आए शिक्षकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को संस्थान की गतिविधियों, उपलब्धियों और हॉस्पिटैलिटी व टूरिज्म के क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर अवसरों के बारे में अवगत कराया। करीब 100 से अधिक छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और वैश्विक आतिथ्य एवं पर्यटन जगत के विभिन्न आयामों को समझा।

कार्यक्रम के दौरान जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रो. सुनीता जैदी ने छात्राओं से अपना व्यक्तिगत सफर साझा करते हुए कहा कि उन्होंने इतिहास विषय से पढ़ाई शुरू की, लेकिन आगे चलकर पर्यटन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बेटियां चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से हों, यदि वे गंभीरता से मेहनत करें तो पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत और सम्मानजनक करियर बना सकती हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आईएचटीएम जैसे संस्थान युवाओं के लिए बहुआयामी करियर के द्वार खोलते हैं।

छात्राओं को मिली पर्यटन जानकारी

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से आए प्रो. जटा शंकर तिवारी के साथ बातचीत में छात्राओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा, अतिथि सत्कार, सांस्कृतिक विरासत, तीर्थ और ग्रामीण पर्यटन जैसे विषयों पर सरल और रोचक तरीके से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और जीवन शैली, आधुनिक पर्यटन उद्योग के लिए बड़ी ताकत बन सकती है।

छात्रों ने किए सवाल

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने आईएचटीएम की प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संकाय सदस्यों से अपने प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में आईएचटीएम की ओर से प्रो. संदीप मालिक, डॉ. ज्योति, डॉ. शिल्पी, डॉ. अनूप, डॉ. सुमेघ सहित अन्य संकाय सदस्य रहे। शोधार्थी पुष्पेन्द्र, अनुराग, नेहा और सुप्रिया ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया और छात्राओं को गतिविधियों से परिचित कराया। अंत में प्रिंसिपल व अध्यापकों ने आईएचटीएम परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे छात्राओं को करियर विकल्पों से रूबरू कराते हैं ।